No. of Printed Pages : **4** **BPYE-001**

01661

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

December, 2018

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPYE-001 : PHILOSOPHY OF RELIGION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : (i) *Answer* ***all five*** *questions.*

(ii) *All questions carry* ***equal*** *marks.*

(iii) *Answers to question No.* ***1*** *and* ***2*** *should be in about* ***400*** *words each.*

1. Explain various attributes accepted in traditional theism. **20**

OR

Explain the concept of plurality as a way of life. Discuss the primary requisites for religions to enter and maintain genuine inter-religious dialogue. **20**

2. Explain various forms of atheism and agnosticism. Present arguments for and against them. **20**

OR

Elaborate William James' views on religious experience. **20**

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each :

(a) Discuss the Freudian understanding of religion and his theory about its origin. **10**

(b) How is the category of 'Holy' presented in the thoughts of Rudolf Otto ? Explain. **10**

(c) Explain post modernist approaches to the question of religion. 10

(d) What do you understand by religious or sacred languages ? Explain various components of religious language. 10

4. Write short notes on **any four** of the following in about **150** words each :

(a) Why did Marx call religion the "opium of the people" ? 5

(b) What constitutes the core of primitive religious consciousness ? 5

(c) What is the moral argument for the existence of God ? 5

(d) Why does it become difficult to define religion ? 5

(e) What are the three stages in the mental development of mankind distinguished by James Frazer ? 5

(f) Define religious Fundamentalism. 5

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :

(a) Sacred 4

(b) Fanaticism 4

(c) Mysticism 4

(d) Existentialism 4

(e) Teleological argument for God's existence 4

(f) Emanation 4

(g) Numinous 4

(h) Religious Antagonism 4

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
दिसंबर, 2018

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.ई.-001 : धर्मदर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : (i) ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

(iii) *प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

1. शास्त्रीय ईश्वरवाद में स्वीकृत विभिन्न गुणों की व्याख्या कीजिए। **20**

अथवा

जीवन के एक ढ़ंग के रूप में बहुलता के प्रत्यय की व्याख्या करें। वास्तविक अन्तर-धार्मिक सम्वाद में प्रवेश करने और अनुरक्षण करने के उद्देश्य हेतू धर्मों के लिए अनिवार्य आरम्भिक शर्तों पर चर्चा कीजिए। **20**

2. नीरिश्वरवाद और अज्ञेयवाद के विभिन्न रूपों की व्याख्या करें। इनके पक्ष एवं विपक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए। **20**

अथवा

धार्मिक अनुभव के सम्बंध में विलियम जेम्स के विचारों को विस्तार से स्पष्ट कीजिए। **20**

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :

(a) फ्रायड की धर्म सम्बंधि समझ तथा धर्म की उत्पत्ति सम्बंधि उनके सिद्धान्त की विवेचना कीजिए। 10

(b) रूढोल्फ आटो के चिन्तन में 'पवित्र' की कोटि को कैसे प्रस्तुत किया गया है? व्याख्या कीजिए। 10

(c) धर्म के प्रति उत्तर-आधुनिक दृष्टि की व्याख्या कीजिए। 10

(d) आप धार्मिक या पवित्र भाषा से आप क्या समझते हैं? धार्मिक भाषा के विभिन्न घटकों की व्याख्या करें। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) मार्क्स धर्म को "लोगों के लिए अफीम" क्यों कहा है? 5

(b) प्रारम्भिक धार्मिक चेतना के आधारभूत निर्माण तत्व क्या है? 5

(c) ईश्वर के अस्तित्व के सम्बंध में नैतिक तर्क क्या है? 5

(d) धर्म को परिभषित करना कठिन क्यों है? 5

(e) जेम्स फ्रेजर द्वारा प्रस्तावित मानव के मानसिक विकास की तीन अवस्थाएँ कौन सी हैं? 5

(f) धार्मिक कट्टरपन को परिभषित करें। 5

5. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

(a) पवित्र (Sacred) 4

(b) धर्मान्धता 4

(c) रहस्यवाद 4

(d) अस्तित्ववाद 4

(e) ईश्वर-अस्तित्व के पक्ष में उद्देश्यमूलक तर्क 4

(f) निर्गम (Emanation) 4

(g) दिव्य (Numinous) 4

(h) धार्मिक विरोध 4